14. चकई के चकदुम

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
गाँव की मड़ैया, साथ रहें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
ग्वाले की गैया, दूध पिएँ हम-तुम।

© NCERT not to be republished

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
कागज़ की नैया, पार करें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
फुलवा की बगिया, फूल चुनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
खेल खतम भैया! आओ चलें हम-तुम!

not to be republished

इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

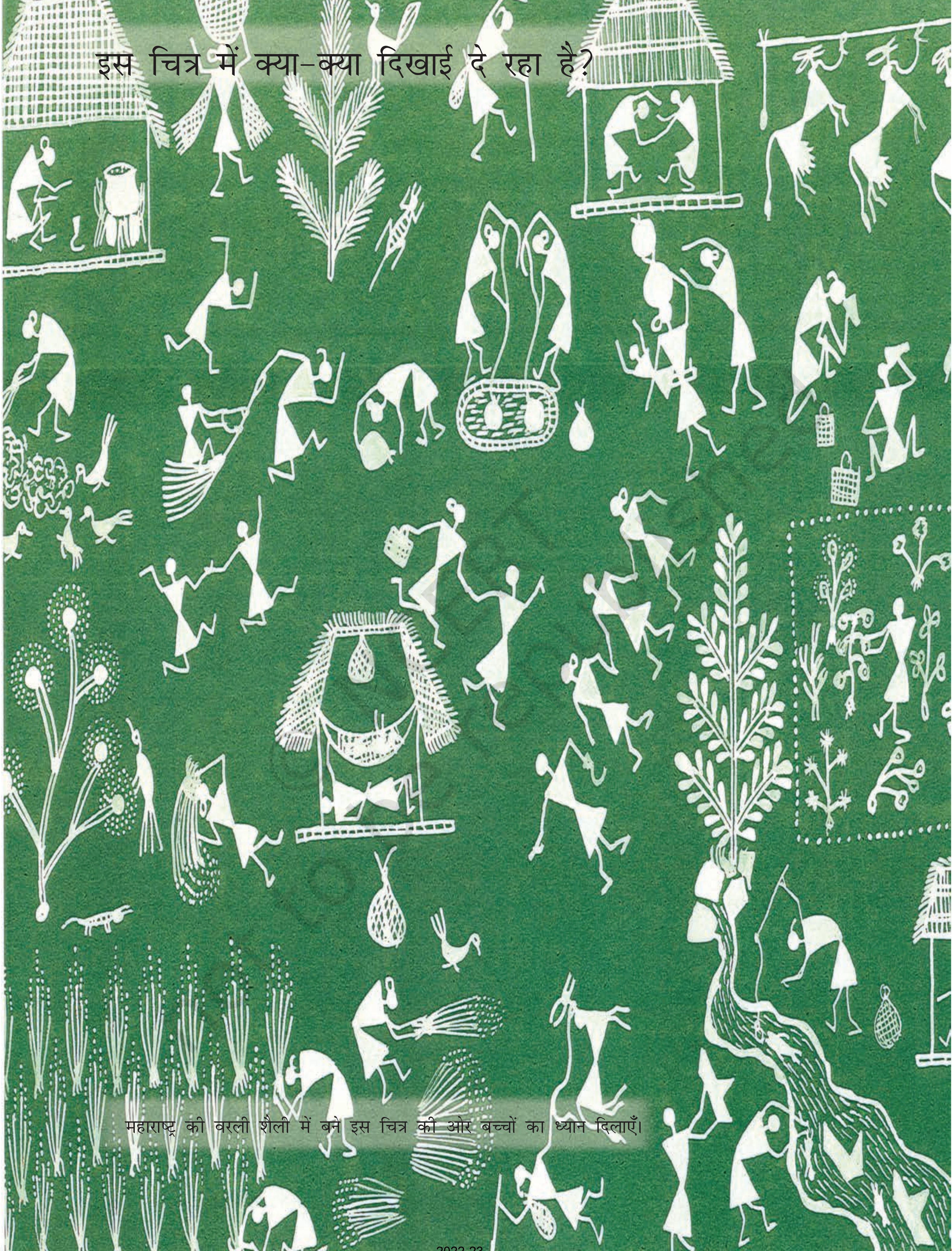

महाराष्ट्र की वरली शैली में बने इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।

हम-तुम, तुम-हम

चकई के चकदुम, कवि बनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम
अम्मा की रसोई, खाना खाएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम
....
चकई ....
चकई के..

अब बनाकर देखो

पढ़ो और उसका चित्र बनाओ।

कागज़ की नैया,
पार करें हम-तुम।

गाँव की मड़ैया,
साथ रहें हम-तुम।

फुलवा की बगिया,
फूल चुनें हम-तुम।

© NCERT not to be republished